पंजाब केसरी 26/08/2025

गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 विषय पर कार्यशाला का आयोजन

भारतीय परंपरा व मूल्यों को ज्ञान के साथ जोड़ रही राष्ट्रीय शिक्षा नीति : डा. ज्योति सौरोत

» डिजिटल तकनीक और रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के अध्ययन से युवाओं में बढ़ रही आत्मनिर्भरता

गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 विषय पर आयोजित कार्यशाला में विद्यार्थियों को संबोधित करते डा. सुरेंद्र कुमार। (चंद्रमोहन)

अम्बाला, 25 अगस्त (बलराम): छावनी स्थित गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज के एन.ई.पी. 2020 सैल के द्वारा प्राचार्य डा. रोहित दत्त के नेतृत्व में महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के विभिन्न आयामों से अवगत करवाना था।

कार्यशाला के प्रमुख वक्ता महाविद्यालय के परीक्षा निदेशक डा. सुरेंद्र कुमार थे, जिन्होंने सभी संकायों से लगभग 150 विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत आने वाले चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम, बहु प्रवेश एवं बहु निकास और विभिन्न विषयों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। उन्होंने विद्यार्थियों को आंतरिक मूल्यांकन के लिए आवश्यक मिड सेमेस्टर टैस्ट, असाइनमैंट, कक्षा में उपस्थिति आदि के विषय में भी अवगत करवाया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की उपलब्धियों को गिनाते हुए बताया कि यह नीति शिक्षा में एक नए युग की शुरुआत कर रही है। यह युवाओं में कौशल और दक्षता को बढ़ा रही है। डिजिटल तकनीक और रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के अध्ययन से युवाओं में आत्मनिर्भरता बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों का उद्देश्य विद्यार्थियों के मन में इस शिक्षा नीति को लेकर उपजे विभिन्न सवालों और शंकाओं का सटीक एवं त्वरित निवारण करना है।

एन.ई.पी. 2020 सैल की संयोजिका डा. ज्योति सौरोत ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारतीय परंपरा व मूल्यों को ज्ञान के साथ जोड़ने का कार्य कर रही है। यह एक सभ्य समाज के निर्माण के लिए आवश्यक है। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों के समग्र विकास, योग्यता आधारित शिक्षा और शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण पद्धतियां इस नीति की आधारशिला हैं। अंत में मुख्य वक्ता ने विद्यार्थियों के विभिन्न सवालों के संतोषजनक उत्तर देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर डा. पिंकी गुप्ता, डा. चंद्रपाल पुनिया, डा. गीता कौशिक, राजेंद्र मीरवाल एवं निकांशी आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।